# श्री वराह स्तुतिः (पद्मपुराणे)

### श्री वराह स्तुतिः (पद्मपुराणे)

देवा ऊचुः |
नमो यज्ञवराहाय नमस्ते शतबाहवे |
नमस्ते देवदेवाय नमस्ते विश्वरूपिणे || 1 ||

नमः स्थितिस्वरूपाय सर्वयज्ञस्वरूपिणे |
कलाकाष्ठानिमेषाय नमस्ते कालरूपिणे || 2 ||

भूतात्मने नमस्तुभ्यं ऋग्वेदवपुषे तथा |
सुरात्मने नमस्तुभ्यं सामवेदाय ते नमः || 3 ||

ओंकाराय नमस्तुभ्यं यजुर्वेदस्वरूपिणे |
ऋचःस्वरूपिणे चैव चतुर्वेदमयाय च || 4 ||

नमस्ते वेदवेदांग सांगोपांगाय ते नमः |
गोविंदाय नमस्तुभ्यमनादिनिधनाय च || 5 ||

नमस्ते वेदविदुषे विशिष्टैकस्वरूपिणे |
श्रीभूलीलाधिपतये जगत्पित्रे नमो नमः || 6 ||

इति श्रीपद्मपुराणे उत्तरखंडे सप्तत्रिंशदधिकद्विशततमोऽध्याये देवकृत श्री वराह स्तुतिः |